



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बीरवारी, 3 फरवरी, 2005/14 माघ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 13 जनवरी, 2005

संच्या पी० बी० डब्ल्य००(बी०)ए०-६(२)२/२००४.—हिमाचल प्रदेश सङ्केत अवसंरचना संरक्षण नियम, 2004 द्वारा तारीख 30 अक्टूबर, 2004 के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में विभाग की समसंघिक अधिसूचना तारीख 28 अगस्त, 2004 द्वारा हिमाचल प्रदेश सङ्केत अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 (2003 का 20) की धारा 19 के अधीन यथा-अपेक्षित, उसके द्वारा सम्भाव्य प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से आक्षेप व सुझाव अमंत्रित फैरन के लिए प्रकाशित किया था ;

ग्रौं और चूंकि किसी भी व्यक्ति से विनिर्दिष्ट अवधी के भीतर कोई भी आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

१। संक्षिप्त नाम—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सङ्केत अवसंरचना संरक्षण नियम, 2005 है।

2. परिभाषा:—(1) इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से, हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 (2003 का 20 अभिप्रेत है);

(ख) "प्रण" से, इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;

(ग) "मोटरयान" से, कोई ऐसा यन्त्र नोंदित यान अभिप्रेत है जो सड़कों पर उपयोग के अनुकूल बना लिया गया है, चाहे उसमें नोंदन शक्ति किसी बाहरी स्त्रोत से संचारित की जाती हो या आन्तरिक स्त्रोत से, और इसके अन्तर्गत चैसीस, जिससे बॉडी संलग्न नहीं है और ट्रेलर भी है, और इसके अन्तर्गत बैलगाड़ी आदि भी है; किन्तु इसके अन्तर्गत पटरियों पर चलने वाला यान नहीं है;

(घ) "धारा" से, अधिनियम की धारा अभिप्रेत है । ॥

(2) ऐसे सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

3. सड़क अवसंरचना नक्शे को तैयार करने के लिये प्रक्रिया:—(1) सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता राजस्व कर्मचारीवृन्द के साथ, अपनी अधिकारिता के भीतर, विभिन्न भवन रेखाएं, नियन्त्रण रेखा, नियन्त्रित क्षेत्र तथा सड़क अवसंरचना का अर्जित क्षेत्र नियत करेगा और धारा 4 की उप-धारा (1) और (2) के अधीन यथा अपेक्षित नक्शा तैयार करेगा, जिसे अधिशासी अभियन्ता और राजस्व विभाग के सहायक कलेक्टर द्वारा संयुक्त रूप में हस्ताक्षरित किया जाएगा ।

(2) सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता द्वारा सड़क अवसंरचना नक्शे को अन्तिम रूप देने पर, उसे पन्द्रह दिन के भीतर विभाग के मुख्य अभियन्ता को उसके अनुमोदन हेतु अप्रेषित किया जाएगा ।

(3) मुख्य अभियन्ता द्वारा सड़क अवसंरचना नक्शे के अनुमोदन के पश्चात्, उसे सरकार को, राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित नोटिस द्वारा जनसाधारण से आक्षेप और सुझाव आमन्त्रित करने के लिए अप्रेषित किया जाएगा । यदि राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के भीतर कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त न हों तो उसे अन्तिम समझा जाएगा ।

(4) यदि जनसाधारण से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त हुए हों, तो उस (उन) पर सरकार द्वारा विचार किया जाएगा और आक्षेप(ों) या सुझाव(ों) पर न्याय-निर्णयन के पश्चात्, सड़क अवसंरचना नक्शे को अन्तिम रूप दिया जाएगा तथा इस सूचना को व्यापक परिचालन वाले समाचार-पत्रों और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में नोटिस द्वारा सार्वजनिक किया जाएगा । अधिशासी अभियन्ता द्वारा सड़क अवसंरचना नक्शे में और परिवर्धन तथा परिवर्तन करने की दशा में, इस नियम के उप-नियम (1) से (3) के अधीन यथाविहित पूर्ण प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा ।

(5) अन्तिम रूप देने के पश्चात्, सड़क अवसंरचना नक्शा सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में निवेश अभिलेख के रूप में उपलब्ध रहेगा और उसकी प्रति अधिशासी अभियन्ता द्वारा अपनी-अपनी अधिकारिता रखने वाले कार्यनिरीक्षक और विहित प्राधिकारी को धारा 3 के उल्लंघन को रोकने के लिए और धारा 13 के अधीन उसके लिए अवेदन करने वाले व्यक्तियों को भी सुविधा प्रदान करने के लिए निःशुल्क दी जाएगी ।

(6) अवेदन करने पर कोई व्यक्ति सम्बद्ध अधिशासी अभियन्ता से सड़क अवसंरचना नक्शे की ए-4 के श्राकार के कागज की, पांच रुपए प्रति पृष्ठ की दर से प्रमाणित प्रति अभिप्राप्त कर सकेगा और सम्बद्ध मण्डल में दस रुपए प्रति घण्टा की दर से निरीक्षण फीस के संदाय पर, प्ररूप-4 में उचित रसीद के विरुद्ध, जिसे अधिशासी अभियन्ता द्वारा सरकारी खजाना में हिमाचल प्रदेश सरकार के शीर्ष लेखे में रसीद क अधीन जमा किया जाएगा, का निरीक्षण कर सकेगा ।

4. कार्यवाही के संचालन के लिए प्रक्रिया.—(1) यथास्थिति, कार्य निरीक्षक या विहित प्राधिकारी द्वारा धारा 3 के अधीन सड़क अवसंरचना पर किसी प्रतिषिद्ध कार्य के होने की जानकारी पर, यथास्थिति, प्रस्तुप 1 और 2 में कार्य निरीक्षक या विहित प्राधिकारी द्वारा व्यतिक्रमी व्यक्ति या उसकी अनपस्थिति में उसके परिवार क व्यस्क सदस्य को सड़क अवसंरचना पर प्रतिषिद्ध कार्य को तुरन्त रोकने का नोटिस जारी किया जाएगा और तीन दिन के भीतर अवसंरचना पर यथापूर्व स्थिति प्रत्यावर्त्तित करने के आदेश दगा। कार्य-निरीक्षक या विहित प्राधिकारी, सड़क अवसंरचना पर निम्नलिखित प्रतिषिद्ध कार्यों के लिए व्यतिक्रमी को नोटिस जारी करने के लिए सक्षम होगा, अर्थात् :—

(क) कार्य निरीक्षक, धारा 3 के खण्डों (iv), (v), (vi), (x), (xi), (xii) और (xiv) के अधीन यथा-उपबन्धित सड़क अवसंरचना पर प्रतिषिद्ध कार्यों के अतिक्रमण के लिए ही नोटिस जारी करने को सक्षम होगा ।

(ख) विहित प्राधिकारी, धारा 3 और 7 के अधीन सड़क अवसंरचना पर यथा उपबन्धित प्रतिषिद्ध कार्यों के अतिक्रमण के लिए और उस पर, यथास्थिति, परियक्त मोटरयान या मशीनरी या वस्तुओं को हटान और उसे परिवर्त्त करने तथा विभाग के मण्डल या उप-मण्डल के भण्डार में उसे रखने के लिये नोटिस जारी करने को सक्षम होगा । विहित प्राधिकारी हटाने के खर्च के साथ धारा 7 के अधीन यथा-विनिर्दिष्ट शास्ति भी वसूल करेगा ।

(2) यदि इस नियम के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा नोटिस जारी करने के पश्चात्, व्यथित पक्ष अक्षेप दाखिल करता है तो, विहित प्राधिकारी अन्तिम आदेश पारित करने से पूर्व उसे सुनावाई रुप युक्तियुक्त अवसर प्रदान करेगा तथा धारा 11 की उप-धारा (2) के अधीन, यथास्थिति, यथाविनिर्दिष्ट खर्च के साथ शास्ति अधिरोपित करने का आदेश पारित करेगा ।

(3) दस दिन के अवसान के पश्चात् यदि, यथास्थिति, परिवर्त्त किया गया मोटरयान, मशीनरी या वस्तुएं विहित प्राधिकारी के पास धारा 7 के अधीन जुमनि के संदाय तथा हटाने के खर्च के बिना परिवर्त्त रहती हैं, तो विहित प्राधिकारी मामले की पुष्टि प्राधिकारी को अप्रेपित करेगा, जो भारतीय पुलिस अधिनियम, 1861 की अधाराओं 25, 26 और 27 के अधीन पन्द्रह दिन के भीतर परियक्त सम्पत्ति के निपटान के लिए कार्रवाई करेगा ।

(4) कार्य-निरीक्षक या विहित प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया आदेश, उसके या इसके द्वारा पुष्टि प्राधिकारी को इसके पुष्टिकरण के लिए या तो उसी दिन या निश्चित रूप से अगले दिन भेजा जाएगा, यदि आदेश की पुष्टि हो जाती है तो यह अन्तिम होगा ।

(5) यदि कार्य निरीक्षक या विहित प्राधिकारी दोनों ही अधिनियम के अधीन किसी प्रतिषिद्ध कार्य के उल्लंघन के लिए इस नियम के उप-नियम (1) के खण्डों (क) और (ख) के अधीन यथाविनिर्दिष्ट कार्रवाई करने में और धारा 13 के अधीन सुविधा का उपबन्ध करने में असकल रहते हैं तो पुष्टि प्राधिकारी, मामले को धारा 5 के अधीन कार्रवाई न करने की उसको जानकारी की तारीख के सात दिन के भीतर सम्बद्ध परिक्षेत्र के मुख्य अभियन्ता को स्पीट करेगा ।

(6) मुख्य अभियन्ता को मामला भेजने से पूर्व, पुष्टि प्राधिकारी, कार्य निरीक्षक और विहित प्राधिकारी में इस नियम के उप-नियम (1) के खण्डों (क) और (ख) के अधीन निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा, और प्रतिषिद्ध कार्यों के उल्लंघन के लिए प्रस्तुप 2 में व्यतिक्रमी को स्वयं नोटिस जारी करेगा तथा धारा 13 के अधीन सुविधा का उपबन्ध करने के लिए भी कार्रवाई करेगा और केवल उसके पश्चात् ही मामला मुख्य अभियन्ता को अप्रेपित करेगा ।

5. खर्च वसूल करने और शास्ति के लिए प्रक्रिया.—(1) खर्च वसूल करने और शास्ति के व्यतिक्रम की दशा में, विहित प्राधिकारी, धारा 11 की उप-धारा (2) के खण्डों (1) और (2) के उपबन्धों के अनुसार वसूलीय खर्च

और शास्ति अवधारित करेगा, जिसे पुष्टि प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध क्लैक्टर से अनुरोध करके भू-राजस्व की बकाया के रूप में वसूल किया जाएगा।

(2) अधिनियम के अधीन खर्चों, शास्ति और फीस के कारण प्राप्त आगमों को, पुष्टि प्राधिकारी द्वारा सरकारी खंजान में, हिमाचल प्रदेश सरकार के प्राप्ति शीर्ष के लेखे के अधीन जमा किया जाएगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव (लोक निर्माण)

प्रस्तुप—1
[नियम 4(1) (क) देखें]

[हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण नियम, 2004 के नियम 4 के उप-नियम (1) के खण्ड (क) के अधीन कार्य-निरीक्षक द्वारा जारी किया जाने वाला नोटिस (द्वितीय में)]

सेवा में

(व्यापक व्यक्ति का नाम, स्थाई पते सहित)

विषय.— हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 की धारा 3 के अधीन यथा उपबन्धित सड़क अवसंरचना पर प्रतिषिद्ध कार्यों के उल्लंघन के लिए हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण नियम, 2004 के नियम (4)(1)(क) के अधीन नोटिस।

श्रीमान/श्रीमति,

यह ध्यान में आया है कि संलग्न रेखाचित्र के अनुसार हिमाचल प्रदेश सरकार की सड़क अवसंरचना पर, आप सड़क के भाग पर प्रतिषिद्ध क्रिया-कलाप कर रहे हैं जिससे सड़क (नाम) के चेन (Chaining) (माप) को नुकसान हुआ है या सड़क अवसंरचना को और नुकसान होने की सम्भावना है। उक्त क्रिया-कलाप हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2003 की धारा 3 के अधीन प्रतिषिद्ध है।

अतः अधोहस्ताक्षरी, अधिनियम की धारा 5 के अधीन ऐसा करने में सक्षम होते हुए वर्तमान नोटिस द्वारा, आपको उक्त प्रतिषिद्ध क्रिया-कलाप एतदद्वारा तुरन्त बन्द करने के निदेश देता है। आपको और निदेश दिया जाता है कि इस नोटिस की प्राप्ति के तीन दिन के भीतर, ऐसे हुए नुकसान के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया आरम्भ करें और उसे एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करें। ऐसा न करने पर, विभाग द्वारा अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) के उपबन्धों के अनुसार पुष्टि प्राधिकारी द्वारा ऐसे अधिरोपित प्रत्यावर्तन की लागत के साथ आपके जोखिम और खर्च पर यथापूर्व स्थिति का प्रत्यावर्तन कार्य आरम्भ किया जाएगा।

हस्ताक्षरित/-
कार्य निरीक्षक,
(पूर्ण पदनाम)

स्थान
समय
तारीख

प्रति सूचनार्थ और आगामी आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुरोधित है :—

1. कनिष्ठ अभियन्ता (विहित प्राधिकारी), अनुभाग का प्रभारी ।
2. अधिशासी अभियन्ता (पुष्टि प्राधिकारी) ।

हस्ताक्षरित/-
कार्य निरीक्षक ।

प्रस्तुप—2

[नियम 4(1)(ख) देखें]

[हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2004 के नियम 4 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाने वाला नोटिस (द्विप्रतिक में)]

सेवा में

(व्यक्तिकर्मी का नाम और स्थाई पता)

विषय.—हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 की धारा 3 के अधीन यथा उपबन्धित सड़क अवसंरचना पर प्रतिषिद्ध कार्यों के उल्लंघन के लिए हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण नियम 2004 के नियम (4)(1)(ख) के अधीन नोटिस ।

श्रीमान/श्रीमति,

मेरे ध्यान में यह आया है कि हिमाचल प्रदेश सरकार की सड़क अवसंरचना पर, संलग्न रेखाचित्र के अनुसार सड़क के भाग पर आपका कार्य क्रियान्वित कर रहे हैं जिससे सड़क अवसंरचना के लिए सड़क के लिए चेन (Chainage) (माप) को नुकसान हुआ है या और नुकसान होने की सम्भावना है । उक्त कार्य हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 की धारा 3 के अधीन प्रतिषिद्ध है ।

अतः अधोहस्ताक्षरी, अधिनियम की धारा 5 के अधीन उसमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आपको वर्तमान नोटिस द्वारा तुरन्त उक्त प्रतिषिद्ध क्रिया-कलाप बन्द करने का निर्देश देता है । आपको और निदेश दिया जाता है कि इस नोटिस की प्राप्ति से तीन दिन के भीतर सड़क अवसंरचना को हुए नुकसान के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया आरम्भ करें और उसे एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करें । ऐसा न करने पर, विभाग द्वारा अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) के उपबन्धोंके अनुसार पुष्टि प्राधिकारी द्वारा ऐसे अधिरोपित प्रत्यावर्तन की लागत के साथ आपके जोखिम और खर्च पर यथापूर्व स्थिति का प्रत्यावर्तन कार्य आरम्भ किया जाएगा ।

कृपया रसीद की अभिस्वीकृति दें ।

हस्ताक्षरित/-
विहित प्राधिकारी ।

(कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता या
अधिशासी अभियन्ता) (पूर्ण पदनाम) ।

स्थान
समय
तारीख

प्रति सूचनार्थ और आगामी आवश्यक कार्रवाई हेतु अप्रेषित है :—

1. अधिशासी अभियन्ता (पुष्टि प्राधिकारी)

हस्ताक्षरित/-

विहित प्राधिकारी ।

(कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता या अधिशासी अभियन्ता) (पूर्ण पदनाम) ।

प्रृष्ठ—3
[नियम 3 (5) देखें]

[अधिनियम की धारा 13 के अधीन यथा उपबन्धित सड़क अवसंरचना के बारे में सुविधा उपभोग करने की अनुज्ञा के लिए हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण नियम, 2004 के नियम 3 (5) के अधीन आवेदन] ।

सेवा में

अधिशासी अभियन्ता,

.....

.....

विषय.—हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 की धारा 13 के अधीन यथा उपबन्धित सुविधा/उपभोग करने की अनुज्ञा के लिए नियम 3 (5) के अधीन आवेदन ।

1. अनुज्ञा लेने वाले व्यक्ति का नाम :
2. पिता का नाम :
3. पता :
4. उपभोग की जाने वाली सुविधा :
5. (क) यदि पहुंच सार्ग है, तो सक्षम प्राधिकारी या विभाग का गहर सनिर्माण या मंजूरी पत्र :
- (ख) यदि धारा 13 के खण्ड (ii) से (iii) के अधीन यथा विनिर्दिष्ट कोई अन्य सुविधा है तो पूरा नक्शा रेखाचित्र में संलग्न किया जाए :
6. संलग्नक विवरण :
7. कोई अन्य सूचना :
8. क्या पूर्व में ऐसी अनुज्ञा प्राप्त की जा चुकी है या नहीं ?
यदि हां, तो इसकी तारीख :
9. रसीद की प्रति के साथ विभाग में ऐसी जमा कार्य का नक्श :

मैं एतद्वारा सत्यानिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं कि मेरे द्वारा ऐसे दिए गए उपर्युक्त प्रृष्ठ में दस्तावेजों सहित विशिष्टियां सत्य और सही हैं। इसका कोई भाग भलत नहीं है और इसमें कुछ भी छुपाया नहीं गया है। मैं और घोषणा करता हूं कि जैसी मुझसे अपेक्षित है अपेक्षा (ओं) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मुझसे हिमाचल प्रदेश सड़क अवसंरचना संरक्षण अधिनियम, 2002 की धारा 11 के उपर्युक्तों के अनुसार वह रकम वसूल की जा सकेगी।

(ग्रावेदक के हस्ताक्षर) ।

स्थान

समय

तारीख

प्रधान—4

[नियम 3 (6) देखें]

हिमाचल प्रदेश सरकार लोक निर्माण विभाग	हिमाचल प्रदेश सरकार लोक निर्माण विभाग
मण्डल उपमण्डल पुस्तक संख्या संख्या तारीख से के मध्ये रुपए प्राप्त किए।	सरकार को संदाय के लिए रसीद : पुस्तक सं 0 संख्या स्थान मण्डल उपमण्डल तारीख के मध्ये रुपए प्राप्त किए।
कैशियर या लेखाकार के आदाक्षर व तारीख।	कैशियर या लेखाकार।
रसीद देने वाले पदधिकारी के आदाक्षर व तारीख।	हस्ताक्षर
	पदनाम

[Authoritative English text of this department notification No. PBW (B) (A)- 6 (2) 2/2004, dated 28-8-2004 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 13th January, 2005

No. PBW (B) A-6(2) 2/2004.—Whereas the draft Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2004 was published in the Rajpatra Himachal Pradesh on the 30th October, 2004 vide this Department notification of even number dated the 28th August, 2004, for inviting

objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby as required under section 19 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2002 (No. 20 of 2003);

And whereas no objection(s)/suggestion(s) has been received from any person within the specific period.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 19 of the Act *ibid*, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:—

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2005.

2. *Definitions.*—(1) In these rules, unless the Context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2002 (Act 20 of 2003);

(b) "Form" means a form appended to these rules;

(c) "Motor Vehicle" means any mechanically propelled vehicle adapted for use upon roads whether the power of propulsion is transmitted therefrom from an external or internal source and includes a chassis to which a body has not been attached and a trailer and shall also include bullock cart etc; but does not include a vehicle running upon fixed rails; and

(d) "section" means the section of the Act.

(2) All other words and expression used in these rules but not defined shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

3. *Procedure for preparation of road infrastructure map.*—(1) The Executive Engineer concerned alongwith revenue staff shall fix different building lines, control line, controlled area and acquired area of the road infrastructure within his jurisdiction and shall prepare a map as required under sub section (1) and (2) of section 4, which shall be signed jointly by the Executive Engineer and the Assistant Collector of Revenue Department.

(2) Upon finalization of road infrastructure map by the Executive Engineer concerned, the same shall be forwarded to the Chief Engineer of the department within fifteen days for his approval.

(3) After the approval of the road infrastructure map by the Chief Engineer, the same shall be forwarded to the Government for inviting objection(s) or suggestion(s) from general public through notice published in the Rajpatra, Himachal Pradesh. If no objection(s) or suggestion(s) is received within sixty days from the date of its publication in the Rajpatra, the same shall be deemed to have become final.

(4) If any objection(s) or suggestion(s) is /are) received from general public, the same shall be considered by the Government and after adjudication upon the objection(s) or suggestion(s), road infrastructure map shall be finalized and this information shall also be made public through notice in the news paper having wide circulation and Rajpatra, Himachal Pradesh. in case of further addition and alteration in the road infrastructure map by the Executive Engineer, the entire procedure as prescribed under sub-rules (1) to (3) of this rule shall be followed again.

(5) After finalization of road infrastructure map, the same shall remain available in the office of Executive Engineer concerned as a reference record and the copy of same shall supplied by the Executive Engineer to the Work Inspector and the prescribed authority having respective

jurisdiction free of cost in order to check contravention of section 3 and also granting facility under section 13 to the persons applying for the same.

(6) Any person by making an application may obtain certified copy of the road infrastructure map on payment of fee at the rate of five rupees per page of paper of the size of A-4 from Executive Engineer concerned and may also inspect the same in the concerned Division on payment of inspection fee at the rate of ten rupees per hour against proper receipt in form IV, which shall be deposited in Government Treasury by the Executive Engineer under receipt head of account of Government of Himachal Pradesh.

4. Procedure for conduct of Proceeding.—(1) On noting the occurrence of any prohibited act on road infrastructure under section 3 by the work inspector or prescribed authority, as the case may be, notice in form I and II as the case may be, shall be issued by the work inspector or the prescribed authority to the defaulter in person or in his absence upon any adult male member of the family to stop forthwith the prohibited act on road infrastructure and order the restoration of status quo of the road infrastructure within three days. The Work Inspector or prescribed authority shall be competent to issue notice to the defaulter for following prohibited act on road infrastructure namely:—

- (a) Work Inspector shall be competent to issue notice only for violation of prohibited acts on road infrastructure as provided under clause (iv), (v), (vi), (x), (xi), (xii) and (xiv) of section 3;
- (b) prescribed authority shall be competent to issue notice for contravention of all prohibited acts on road infrastructure as provided under section 3 and 7 for the removal of abandoned Motor Vehicle or machinery or goods as the case may be, on road infrastructure laying abandoned thereon and shall also impound the same and keep the same in the store of division or sub-division of the department. The prescribed authority shall also recover the cost of removal as well as penalty as specified under section 7.

(2) If after the issue of notice by the prescribed authority under clause (b) of sub-rule (1) of this rule, the aggrieved party files objection(s), the prescribed authority before passing final order shall give him a reasonable opportunity of being heard and shall pass order for the imposition of penalty with costs as specified under sub-section (2) of section 11, as the case may be.

(3) After the expiry of ten days if the impounded Motor Vehicle, machinery or goods, as the case may be, remains impounded with Prescribed Authority without payment of fine and cost of removal under section 7, the prescribed authority shall forward the matter to the confirmatory authority, who shall take action under sections 25, 26 and 27 of the Indian Police Act, 1861 within fifteen days for disposal of the abandoned property.

(4) The order passed by Work Inspector or prescribed authority shall be sent by him or it to the confirmatory authority either on the same day or the next day positively for its confirmation and the order if confirmed shall be final.

(5) If the Work Inspector or the prescribed authority both fails to take action as specified in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) of this rule for contravention of any prohibited acts under the Act and for providing facility under section 13, the confirmatory authority shall report the matter to the Chief Engineer of the Zone concerned within seven days from the date of this knowledge for not taking action under section 5.

(6) Before sending the matter to the Chief Engineer, the confirmatory authority, shall exercise the powers vested in Work Inspector and prescribed authority under clauses (a) and (b)

of sub-rule (1) of this rule and itself issue the notice to the defaulter in form-II for contravention of prohibited acts and also take action for providing facility under section 13 and only thereafter it shall forward the case to the Chief Engineer.

5. *Procedure for recovery of Cost and penalty.*—(1) In case of default to recover the cost and penalty the prescribed authority shall determine the cost and penalty recoverable as per the provisions of clauses (1) and (2) of sub-section (2) of section 11, which shall be recovered by the confirmatory authority by making a request to the concerned Collector to recover the same as arrears of Land Revenue.

(2) The proceeds received under the Act on account of costs, penalty and fee shall be deposited in the Government Treasury by the confirmatory authority under receipt head of account of Government of Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-

Principal Secretary (PW).

FORM—I

[See rule 4(1)(a)]

[Notice to be issued (in duplicate) by the Work Inspector under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2004].

To

(Name of the defaulting person with permanent address).

Subject.—Notice under rule (4)(1)(a) of Himachal Pradesh Infrastructure Protection Rules, 2004 for contravention of prohibited acts on road infrastructure as provided under section 3 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2002.

Sir/Madam,

It has come to notice that on Road infrastructure belonging to the Government of Himachal Pradesh as per enclosed sketch, you are carrying on prohibited activities on a portion of road which has caused damage or is likely to cause further damage to the Road Infrastructure at chainage..... of road (name)..... The said activity is prohibited under section 3 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2003.

Hence, by way of present notice under section 5 of the Act the undersigned being competent to do so, hereby, directs you to stop the said prohibited activity at once. You are, further directed to start within three days of the receipt of this notice the process of restoration of the damage so caused and complete the same within one week. Failing which, the work of restoration of *status quo ante* shall be initiated by the department at your risk and cost alongwith restoration cost so imposed by the confirmatory authority as per the provisions of sub-section (4) of section 6 of the Act.

Place.....
Time.....
Date.....

WORK INSPECTOR
(Complete Designation).

Copy forwarded for information and further necessary action to :

1. Junior Engineer (Prescribed Authority), Incharge of the section.
2. Executive Engineer (Confirmatory Authority).

WORK INSPECTOR.

FORM-II

[See rule 4(1)(b)]

[Notice to be issued (in duplicate) by the Prescribed Authority under clause(b) of sub-rule (1) of Rule 4 of Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2004].

To

(Name of the defaulting person with permanent address)

Subject.—Notice under sub-rule (4)(1)(b) of Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2004 for contravention of prohibited acts on Road Infrastructure as provided under section 3 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2002.

Sir/Madam,

It has come to the notice that on Road Infrastructure belonging to the Government of Himachal Pradesh as per enclosed sketch, you are carrying work of on the portion of road which has caused damage or is likely to cause further damage to the Road infrastructure at chainage of road (name) The said Act is prohibited under (.....) section 3 of the Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2003.

Hence, the undersigned in exercising of the powers vested in him under section 5 of the Act, issues the present notice to you with the direction to stop the said prohibited activity at once. You are, further directed to start within three days from the date of receipt of this notice the process of restoration of the damage caused to the road infrastructure and complete the same within one week. Failing which, the work of restoration of *status quo ante* shall be initiated by the department at your risk and cost alongwith restoration cost so imposed by the confirmatory authority as per the provisions of sub-section (4) of section 6 of the Act.

Please acknowledge the receipt.

Prescribed Authority
(Junior Engineer, Assistant Engineer or
Executive Engineer)
(Complete Designation)

Place.....

Time.....

Date.....

Copy forwarded for information and further necessary action to :

1. Executive Engineer (Confirmatory Authority).

Prescribed Authority
(Junior Engineer, Assistant Engineer
or Executive Engineer)
(Complete Designation)

FORM—III
[See rule 3(5)]

[Application under Rule 3(5) of Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Rules, 2004 for permission to avail facility with respect to road infrastructure as provided under section 13 of the Act].

To

The Executive Engineer,

.....
.....

Subject.— Application under rule 3(5), for permission to avail facility as provided under section 13 of Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2002.

1. Name of the person seeking permission :
2. Father's Name :
3. Address :
4. Facility to be availed :
5. (a) If approach road then sanction letter of the house construction of the competent authority/department.
- (b) If any other facility as specified under clause (ii) to (vi) of section 13 is sought then complete map in the sketch may be annexed.
6. Description enclosure :
7. Any other information :
8. Whether previously such permission has been sought or not ? If yes, its date :
9. Amount of the work so deposited in the department alongwith copy of receipt.

.....

I, do hereby solemnly affirm that the particulars alongwith documents in the above form so given by me are true and correct. No part of it is wrong and nothing has been concealed in it. I further declare that in case of failure to comply with the requirement(s) required from me, the same amount as per the provisions of section 11 of Himachal Pradesh Road Infrastructure Protection Act, 2003 may be recovered from me.

(Signature of the Applicant)

Place

Time.....

Date.....

FORM-IV
[See rule 3(6)]

GOVERNMENT OF HIMACHAL
PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

DIVISION.....
SUB-DIVISION.....

Book No. No.....
Dated.....

Received from.....
.....
rupees
..... on account of.....
.....
.....

Dated initial of Cashier or
Accountant.

Dated initial of
Official granting
receipt.

GOVERNMENT OF HIMACHAL
PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

RECEIPT FOR PAYMENT TO GOVERN-
MENT

Book No. No. Place.....
DIVISION..... SUB-DIVISION.....
Dated.....

Received from.....
.....
rupees.....
..... on account of.....
.....
.....

Cashier
or
Accountant. Signature.
Designation.

